साहित्यसुधा

साहित्यकारों की वेबपत्रिका

साहित्यकारों की रचना स्थली

वर्ष: 2, अंक 41, जुलाई(द्वितीय), 2018

मैट्रिक रिजल्ट...

आनंद कुमार

आज रिजल्ट निकलने वाला है, ललनमा तो गौ माता को भोरे से जई, जनेरा काट के खिला रहा है और कह रहा कि - हे गौ माता बस मैथ संभाल लो, बाकी संस्कृत गणेश जी और विज्ञान भोले बाबा संभाल रहे है,

ओमप्रकशबा तो पिछले 15 दिन से सरस्वती माता से डेली मोदी जी की तरह अपने "मन की बात" कह रहा है कि - हे माता ऐमकी बार संभाल लीजिए, पक्का अगला बेर सरस्वती पूजा करेंगे, रामकृपाली डीजे भी फूल साउंड में बजाएंगे और पूरवारी टोला वाला सबको देखा देंगे कि केतना ताकत हम पछियारी टोला वाला में है.

उतरवारी टोला के दसरथ मिश्र जी तो अपन छोटका लईकबा पर भोरे से नजर रख रहें है, कहीं रिजल्ट उंच-नीच हुआ तो कुछ उल्टा सीधा न हमर लईकबा कर ले, एके गो बेटा है, उभी न हो रहा था, उ रामपुर वाली फुआ गांव के पंडित जी से झाड़ फूक करवाए तब जाके ई परमेशरा हुआ है. आज तक कभी डांटे नहीं है.

गोलूआ तो रतिया में ही प्लान बना लिया है कि अगर इस साल फेल हुए तो अगला बेर सरस्वती पूजा नहीं करेंगे और नहीं डीजे बजाएंगे, ओरहना ओरहना के नागिन डांस भी न करेंगे,

अनिल बाबू तो अपन बेटवा पर दूनाली तान दिए है कि अगर तनिको रिजल्ट में दाब-उलार हुआ तो मार के बुखार छोड़ा देंगे, तू जेतना कहा उतना खर्चा किए, VIVO मोबाईल भी खरीद दिए, अब उनकर बेटा कह रहा हे कि हम तो लिखिए दिए है पप्पा, लेकिन अब कोपी चेक करने वाला के मिजाज में क्या है और वो कईसे नंबर देता है उ हम कईसे कहे.

चंदनमा को तो कोई टेंशने न है क्योंकि उसके माधोपुर वाले फूफा गीता उपदेश देते हुऐ आईडिया दिए थे कि नहीं कुछो समझ में आएगा, तो कोपी में पचसटकिया चिपका देना बाकी निश्चिंत रहो, कर्म करो, तो फल की चिंता मत करो.

कुल मिलाकर पूरे केदारपुर गांव में चहल-पहल का माहौल है, वैसे यह गांव आज आजादी के 70 वर्षों के बाद भी विद्रूपता में जीने को मजबूर है, लेकिन राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत टोले टोले बिजली का पोल खड़ा है, बिजली तो आता नहीं है, फेकूआ तो उस

तार पर ही अपना कपड़ा-लता सुखाता है, रोड भी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से इस साल ही बना है, फिर भी इंटरनेट की पहुंच गांव में अब हो चुकी है,

गांव में इंटरनेट पहुंच चुका है, फेसबुक की पहुंच है, लेकिन सूचना क्रांति की इस युग में आज भी जिम्मेदारी है बबलू सिंह पर, बबलू सिंह को ससुराल से 120 kg की पत्नी के अलावा दहेज में लैपटाप, एलसीडी, फ्रीज, जनरेटर मिला था, प्रिंटर गोरलगाई के पैसा से बाद में खरीदा है, दुकान खोल रखा है, वैसे मोबाईल पर इंटरनेट की सुविधा हर दूसरे घर में है, लेकिन बबलू सिंह एक इंटरनेट से पूरे गांव में क्रांति ला दिए है, आज बहुत बड़ी जिम्मेदारी उनके उपर है, A-4 साईज के पेपर चौक पर से मंगवाएं है, अभिभावक सब बबलू के दरवाजे के आस-पास भोरे से ही मंडरा रहे है,

दोपहर 1 बजे तक रिजल्ट आ गया है, बबलू का बिजनस तो आज गर्दा उड़ा रहा है, 10 रुपए प्रति रिजल्ट बता रहे है, फस्ट डिविजन वाला खुशी से गोबर में लात मार रहा है, सेकंड डिविजन वाला कई खुश है तो कई कह रहा है कि साला इस बार एक्जमवे टाईट ले लिया है, थर्ड डिविजन वाले तो ऐसे निश्चिंत है जैसे संयुक्त राष्ट्र संघ में अफ्रीकन कंट्री सब, बस कैसहू घिचा तीरा के पास हो गए,

ठनका तो अनिल बाबू अपन बेटवा पर गिरा रहे है, दू-चार लात हुमच दिए है, मम्मी बीच में हस्तक्षेप कर के बचायी है, बोल रहे कि आज खाना नहीं खाने देंगे, लेकिन मां का प्रेम ऐतना प्राप्त हो रहा है कि बाप से छिपा के तीन बार भोरे से अब तक खिला चुकी है, दू नंबर से इनकर लईकबा विज्ञान में फेल हो गया है, अनिल बाबू बुलेट निकाले है और चल दिए है चौक पर वाले माहटर को गरियाने कि ससुरे तुम्ही ठीक से नहीं पढ़ाए हो तो ये फेल हुआ है, माहटर साहब कोचिंग का सटर गिरा भोरे से ब्यार है ।

कोपी में पचसटकिया चिपकाने वाला चंदनमा भी 2 गो विषय में फेल है, उसके फूफा का तकनीक बेअसर रहा, मन ही मन फूफा को गरिया रहा है साथ ही उस कोपी चेक करने वाले मास्टर को भी, कि साला 350 रूपया भी गया और फेल भी हो गए, गोलूआ के पापा रामकृपाल सिंह तो उसको बांस लेकर चहेंटे है, और बोल रहे ऐतना पढ़ा था, भोरबे रात से उठ कर पढता था फिर भी सेकंडे डिविजन काहे हुआ रे, कोन झोल किया तू, कुश्चनवां लेकर आओ देखते है, तकिया के नीचे से उठा कर के Question लाया है, पूछे है कि साधारण ब्याज का फार्मूला बताओ - गोलूआ बताया है, मूलधन x समय x दर बट्टा सौ, और (a+b)3 को बताओ, गोलूआ फिर एकदम सही बताया है, रामकृपाल सिंह बोले है, ई तो एकदम सही है, बोर्ड को चैलेंज करेंगे भाई, बोर्ड को हिला देंगे, का लग बुझा रहा है, सीतामढ़ी वाले एक मुकेश चचा नेता न है जो भाजपा की हर रैली

में पोस्टर चिपकाते है, उ चचा को फोन लगाओ, उनकर पहुंच उपर तक है, पटना बोर्ड तक जाएंगे, टू टेंशन मत ले गोलू, नंबर बढ़वा के रहेंगे.

उतरवारी टोला वाली सुनितिया भी फर्स्ट डिविजन से पास की है, गांव के बुजुर्ग सब चाय पीने और मिठाई के डिमांड के लिए पधार रहे है, 2 लीटर दूध था, चाय बनाते बनाते सारा खत्म हो गया है, अब पाउडर वाला दूध लाने के लिए, सुनितिया के पिताजी स्पलेंडर मोटर साईकिल निकाल के चौक पर गए है, जहां देखते की चार लोग खड़ा है, मोबाईल निकालते और बोलते हां मुखिया जी सुनितिया फर्स्ट डिविजन लाई है, बिहान भोरे पेपरवा देख लेना, स्कूलिया टॉप है.

बगल के ही रामाधीर बाबू के लईका हिंदी छोड़ के चारो विषय में क्रॉस लगाया है, रामाधीर बाबू अपने बेटवा को पीट अलग रहे है, उल्टे सुनितिया के सफलता के ताना भी दे रहे है, इसको अपने फेल होने से ज्यादा टेंसन सुनितिया के पास होने और उसके चलते ताना खाने से हो रहा है, सुनितिया के दरवाजे पर प्रमोद मिश्र पंडित जी पधारे है, विवाह का चर्चा भी चल रहा है, पंडित जी ने typical dialogue ठेलते हुए बताया है की बेटी पराया धन होती है, हमरे नजर में बगल गांव बेलहिया के Govind Madhav एक दम बेहतरीन, हैंडसम लईका है, स्मार्ट तो ऐतना है कि पूछिए मत, विवाह की बात सुनकर सुनितिया भी मुस्किया रही है, सुनितिया के पापा चाय चुस्की लेने के बाद, बात बदलते हुए बोले है कि देखो 10,000 रुपया नीतिश कुमार इनाम देंगे, इज्जत हमर गांव में बढ़ गया है, आज जो तुमको माँगना हो, माँग लो।

सुनितिया तीस पईसी मुस्कान छोड़ते हुए अंगना में भाग गई है, कुछ देर बाद में उसकी मम्मी बाहर निकली है, अब उसकी माँ कहती हैं -ए सुनितिया के पप्पा, कान में के एगो बाली बिहान सीतामढ़ी सोनपट्टी में ले जाके खरीद दीजिएगा. पिताजी ने भी इस विधेयक पर सहमति प्रदान किया है.

उधर अनिल बाबू माहटर को गरियाने के लिए बुलेट से खोज रहे है, रामकृपाल सिंह रैली में पोस्टर चिपकाने वाले नेता चचा से बिहार बोर्ड को चैलेंज करवाने के लिए फोन मिला रहे है कवरेज एरिया से बाहर बता रहा है. चंदनमा अपने माधोपुर वाले फूफा को गरिया रहा है कि उनके आईडिया से हम फेल हुए है.
बाकी हम चलते है.

कृपया रचनाकार को मेल भेज कर अपने विचारों से अवगत करायें